बिलट महथा आदर्श महाविद्यालय, बहेड़ी

(ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा की अंगीभूत इकाई)

वर्ग : स्नातक तृतीय खण्ड.									पृष्ठ : 01		दिनांक : 3-7-20
प्रतिष्ठा	✓	अनुषंगिक	×	अनुपूरक	×	रा०भा० हिन्दी	×	अहिन्दी	×	हिन्दी	पत्र : VII
व्याख्यान का विषय : जनसंचार माध्यम के प्रकार											
प्राध्यापक : – डॉ. ओमेश कुमार .											

आधुनिक समय में जनसंचार के अनेक माध्यम उपलब्ध हो गये हैं, जिसके माध्यम से हम एक दूसरे के अत्यंत निकट हो गये हैं। इन माध्यमों के प्रमुख दो साधन हैं - (i) प्रिंट मीडिया (ii) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया। इनके माध्यम से समाचार, साहित्यिक गतिविधियाँ, खेल समाचार, विचारोत्तक लेख, साक्षात्कार, फिल्म समाचार, पुस्तक समीक्षाएँ, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, विज्ञापन, विविध घटनाओं की जानकारी आदि से हम अवगत होते रहते हैं। इन सारी विधाओं के लेखन की अलग - अलग प्रविधि है।

(i) प्रिंट मीडिया :- प्रिंट मीडिया के अन्तर्गत मुद्रण कला का विकास हुआ। इसके अन्तर्गत दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक त्रैमासिक, पत्र-पत्रिकाएँ, पुस्तिकाएँ आदि के माध्यम से हमारी जानकारी बढ़ती है। देश-दुनिया की खबरें इनके माध्यम से मुद्रित ~~अवस्था में~~ रूप में प्राप्त करते हैं। इस माध्यम की यह विशेषता होती है कि यह आम आदमी तक पहुँचता है। अर्थात शिक्षित, अर्द्धशिक्षित, गरीब, अमीर, मध्यमवर्ग के लोगों तक यह माध्यम आसानी से पहुँच सकता है।

(ii) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया :- विद्युत ऊर्जा से संचालित संचार माध्यम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया कहलाते हैं। इस माध्यम के हमारे बीच कई साधन हैं — यथा - रेडियो, टेलीविजन, फिल्म, इन्टरनेट, ई-मेल, कम्प्यूटर, केबुल टेलीविजन, उपग्रह प्रौद्योगिकी, टेलीप्रिंटर, ब्रॉडबैंड आदि।

(क) रेडियो :- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में सबसे पुराना माध्यम रेडियो है। रेडियो लेखन की एक अलग परम्परा है। रेडियो समाचार, नाटक, उद्घोषणा, विज्ञापन, फीचर रिपोर्ताज आदि रेडियो लेखन के विविध रूप हैं। आकाशवाणी केन्द्रों में विभिन्न कार्यक्रमों को अलग - अलग प्रभागों में बाँट दिया जाता है। इन प्रभागों के अलग-अलग कार्यक्रम प्रभारी होते हैं। ग्राम-विज्ञान, गीत-संगीत, नाटक, खेल, वार्ता, परिचर्चा एवं समाचार का सशक्त माध्यम है रेडियो। आजकल शहरी लोगों के लिए एफ.एम. रेडियो का बड़ा प्रचलन है।

(ख) टेलीविजन : सूचनाक्रांति के इतिहास में टेलीविजन का विशेष महत्व रहा है। क्योंकि रेडियो केवल श्रव्य माध्यम है, लेकिन टेलीविजन श्रव्य और दृश्य दोनों माध्यम है। इसलिए इसकी महत्ता और भी बढ़ जाती है। भारत में इस समय सौ से अधिक सेटेलाइट चैनल हैं। भारत में इसका प्रसारण 1959 से प्रारंभ हुआ।

(ग) ई-मेल :- इन्टरनेट द्वारा संचालित इलेक्ट्रॉनिक मेल सेवा ई-मेल के नाम से जाना जाता है। इसके लिए ई-मेल एकाउन्ट बनाना पड़ता है। इसके माध्यम से व्यक्तिगत रूप से जानकारियाँ भेजी जाती है।

(घ) इंटरनेट :- सम्पूर्ण विश्व आज इन्टरनेट सुविधा से जुड़ा हुआ है। विश्व के किसी भी सूचना की जानकारी हमें तुरंत मिल जाती है। हजारों मील की दूरी पर हो रहे कार्यक्रमों को हम लाइव देख सकते हैं। इन्टरनेट पर प्रत्येक विषय की जानकारी उपलब्ध होती है। यह कहा जा सकता है कि इन्टरनेट से पूरा विश्व 'ग्लोबल विलेज' में बदल गया है।

(ङ) कम्प्यूटर :- कम्प्यूटर के आने से दूर संचार में नई क्रांति आई है। बड़ी तीव्रता से हम अपने विचार दूसरे तक प्रेषित कर सकते हैं। संवाददाता अपने कार्यालय में समाचार पहुँचाने के लिए मोबाइल फोन को छोटे लैपटाप कम्प्यूटर से जोड़कर दुनिया के किसी भी क्षेत्र में समाचार भेज सकता है।

(च) केबुल टेलीविजन :— केबुल के माध्यम से टेलीविजन सेट पर हम मनोरंजन एवं समाचार देख सकते हैं।

(छ) ई-कॉमर्स — यह कागजों पर आधारित पारम्परिक वाणिज्य पद्धतियों का विश्वसनीय, सक्षम एवं तीव्र संचार माध्यमों से युक्त कम्प्यूटर नेटवर्कों द्वारा विस्थापित करने का उल्लेखनीय एवं महत्वाकांक्षी प्रयास है।

इसके अलावा फैक्स, उपग्रह प्रौद्योगिकी, टेलीप्रिंटर, साइबर कैफे एवं ब्राडबैण्ड सेवाओं के माध्यम से हम वह सारी जानकारी प्राप्त करते हैं जो वर्तमान समय में घटित हो रहा है।

03.07.2020

उमेश कुमार